दुनिया भर में बज रहे मेरठ के वाद्य यंत्र

देश और प्रदेश के औद्योगिक विकास में मेरठ का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यहां खेल उत्पाद, हाथ से बने आभूषण, वाद्य यंत्रों, कैंची सहित अन्य कई तरह के उत्पाद तैयार किए जाते हैं और इनका बड़े स्तर पर निर्यात होता है। पिछले कुछ वर्षों में उद्योगों की रफ्तार के साथ ही निर्यात भी बढ़ा है।

विश्व में 150 देशों की सेना बजाती है फेन फेयर तुरही

जलीकोठी में आर्मी बैंड बनाता कारीगर। संवाद

आशुतोष भारद्वाज

मेरठ। मेरठ में बनी हुई फेन फेयर तुरही का प्रयोग विश्वभर में किया जाता है। वाद्य यंत्रों में फेन फेयर तुरही विश्वभर में मेरठ की बनी हुई प्रयोग की जाती है। अमेरिका के राष्ट्रपति, यूएस मरीन कोप, बकिंघम पैलेस, किंग ऑफ सूडान, किंग ऑफ जॉर्डन को फेन फेयर तुरही भेंट की जा चुकी है। विश्व में 150 देशों की सेनाएं फेन फेयर तुरही का प्रयोग करती हैं।

नादिर अली कंपनी के संचालक हाजी फैज आफताब ने बताया कि तुरही के साथ एफोनियम, कॉर्नेट सहित बहुत से वाद्य यंत्र यहां तैयार किए जाते हैं। अन्य देशों में वाद्य यंत्रों की सप्लाई होती है। चीन और अमेरिका के बीच विवाद के चलते कई यूरोपियन कंपनियां चीन से अपना कारोबार समेट रही हैं। इस बीच इंग्लैंड की वाद्य यंत्रों से जुड़ी बेसन कंपनी और नादिर अली कंपनी

इंग्लैंड की कंपनी से करार की तैयारी

के साथ करार की बातचीत चल रही है। हाजी फैज आफताब ने बताया कि कंपनी के अधिकारी अगले माह शहर में विजिट करेंगे। इसके बाद आगे की तैयारियों के लिए प्लानिंग होगी। शुरुआती कारोबार 20 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

वाद्य यंत्रों में विश्व पटल पर इस शहर की पहचान

मेरठ महोत्सव में ब्रांस बैंड का लगाएंगे स्टॉल

मेरठ महोत्सव 15 दिसंबर से शुरू हो रहा है। महोत्सव में ब्रास बैंड के भी स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉल पर विभिन्न वाद्य यंत्रों का प्रदर्शन होगा और इनके बारे में जानकारी दी जाएगी। यहां 1885 से ब्रांड बैंड की नादिर अली कंपनी की स्थापना हुई। इससे पूर्व असंगठित रूप से बैंडबाजों का निर्माण किया जाता था।

वाद्य यंत्र कारोबार की स्थिति

बैंड रिटेलर	15
वाद्य यंत्र निर्माता	2
कारोबार रिटेल खलाना	65 करोड़ रुपये
निर्यात	2.5 करोड़ रुपये

सदर में ज्वेलरी की खरीदारी करते लोग। संवाद

हाथ से बनने वाले जेवरात में सबसे बड़ा बाजार मेरठ

कुलदीप त्यागी

मेरठ। स्वर्ण मंडी कही जाने वाली मेरठ के आभूषण की देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी मांग है। देश के हर कोने में मेरठ से आभूषण की सप्लाई की जाती है। सालाना 7200 करोड़ का कारोबार करने वाले सराफ व्यापारियों को इस बात से निराशा है कि उन्हें अभी तक ओडीओपी में शामिल नहीं किया गया है।

हस्त निर्मित आभूषणों को हर कोई पसंद करता है। बच्चों से लेकर युवा और बुजुर्गों के लिए अलग तरीके से आभूषण तैयार किए जाते हैं। समय के साथ आभूषण के बनाने के तरीकों में भी काफी बदलाव आया है। सोना महंगा होने के कारण अब हल्के वजन वाले आभूषण सर्वाधिक पसंद किए जाते हैं। (संवाद)

- **मेरठ का बाजार**
  - स्वर्ण शिल्पी : 30 हजार
  - सप्तायर्स : 2 हजार
  - आभूषण विक्रेता : 1 हजार
  - थोक विक्रेता : 200
  - प्रतिदिन का कारोबार: 20 करोड़
- **हस्त निर्मित आभूषण**
  - हीरा, सोना और चांदी के हार, अंगूठी, टोप्स, झुमके, बुंदे, कड़े, तगड़ी, मथा टीका, रामनवमी, दस्तबंद, पाजेब, लोंग, चेन।
- **मेरठ से सप्लाई**
  - दिल्ली और मुंबई से विदेश में माॅल जाता है। इसके साथ ही पंजाब, जम्मू कश्मीर, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश में सीधी सप्लाई की जाती है।

यूरोपियन देशों में 600 से 1860 करोड़ तक पहुंचा निर्यात

सूरजकुंड पर वल्ले बनाता कारीगर। संवाद

संकल्प रघुवंशी

मेरठ। चीन के साथ अमेरिका के विवाद के चलते यूरोपियन और मध्य पूर्वी देशों ने भारत से आयात बढ़ा दिया है। ऐसे में कारोबार में भी तेजी से इजाफा हुआ है। बीते तीन वर्ष में मेरठ से खेल के उत्पादों सहित अन्य का निर्यात 600 करोड़ से बढ़कर 1860 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष तक पहुंच गया है। यहां खेल उत्पादों के अलावा आभूषण, कारपेट, कैंचों, मशीनरी पार्ट्स सहित अन्य सामान भी निर्यात किया जाता है।

भल्ला इंटरनेशनल के संचालक शेखर भल्ला ने बताया कि विश्वस्तर पर कई देशों के बीच युद्ध के कारण महंगाई भी बढ़ी है।

इसके बावजूद भारतीय सामान की मांग कम नहीं हुई है। हालांकि मुनाफा उस अनुपात में नहीं बढ़ा, जितनी बिक्री बढ़ी है। इसके पीछे मुख्य कारण कंटेनर की कीमतों में 15 प्रतिशत तक इजाफा होना है। पानी के जहाजों को युद्ध क्षेत्र से होकर जाना पड़ता है। ऐसे में बीमा राशि भी बढ़ी है। वहीं, तेल की कीमतों में भी इजाफा हुआ है।

मेरठ से विभिन्न उत्पादों के निर्यात की स्थिति

2023-24	
1860 करोड़ प्रतिवर्ष	
2022-23	
1,720 करोड़ प्रतिवर्ष	
2021-22	
600 करोड़ प्रतिवर्ष	

निर्यात बढ़ाने के प्रयास जारी

विश्वस्तर पर निर्यात का स्तर बढ़ा है। केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं को उद्यमियों तक नियमित रूप से पहुंचाकर निर्यात को और बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। ओडीओपी योजना का भी उद्यमियों को लाभ मिल रहा है। - दीपेंद्र कुमार, उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग केंद्र